The following States/Union Territories do not have Centres for UGC-NET Exam, and the candidates belonging to those places are appearing in the nearby Test Cenres. This information is based on where candidates have registered for the above test not on where they reside.

1. Mizoram
2. Nagaland
3. Sikkim
4. Andaman & Nicobar
5. Daman & Diu
6. Dadar & Nagar Haveli
7. Lakshadweep

Statement-ll

Total number of qualified candidates of State Level Eligibility Test for Lectureship (from 1993 onwards).

1.	Andhra Pradesh	668
2.	Bihar	1779
3.	Haryana	406
4.	Kamataka	580
5.	Maharashtra & Goa	469
6.	Punjab	94
7.	Rajasthan	716
8.	West Bengal	995
		5707

सिन्दरी उर्वरक संयंत्र में अनियमितताएं

***129. श्री रामदेव भंडारी : क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :**

(क) क्या सरकार को 15 सितम्बर, 1996 के "नवभारत टाइम्स" के दिल्ली संस्करण में "सिन्दरी में कोयले की छाई से भी हो रही है करोड़ों की लूट" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है,

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है, और

(ग) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कार्यवाही की गई है?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री शीश राम ओला) : (क) से (ग) प्रश्नाधीन समाचार में लगाये गये मुख्य आरोप एफ सी आई के अधिकारियों की मिली-भगत से एफ सी आई सिन्दरी में छाई के ढेर से अनधिकृत रूप से कोक निकालने तथा यूरिया बोरों की खरीद में अनियमितताओं से संबंधित है।

फर्टिलाइजर कारपोरेशन आफ इंडिया (एफसीआई) द्वारा इन आरोपों की जांच की गयी है। छाई से अनिधिकृत रूप से मूल्यवान कोक निकालने तथा बोरों की खरीद में कथित अनियमितताओं के कारण एफ सी आई, सिन्दरी को हानि होने के आरोप बेबुनियाद हैं।

देय किश्तों की अदायगी न करने के कारण छाई की बिक्री के लिए ठेका निरस्त कर दिये जाने के पश्चात अनधिकृत रूप से छाई हटाने के लिये एक ठेकेदार के विरुद्ध दर्ज कराये गये पुलिस मामलों के संदर्भ में ठेके के पर्यवेक्षण में लापरवाही के लिए दोषी पाए गए तथा छाई के ढ़ेर का नियमित निरीक्षण करने में विफल रहे कर्मचारियों के विरुद्ध नियमित विभागीय कार्रवाई की गई है।

त्रुटिपूर्ण बोरों की आपूर्ति के मामले में विनिर्देशनों के संबंध में त्रुटियों के लिए यूरिया बोरों के आपूर्तिकर्ताओं के बिलों से यथोचित वसूली की गई है।

Distortion in Fertilizer consumption ratio

*130. SHRI PARMESHWAR KUMAR AGARWALLA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whethr it is a fact that after partial decontrol of fertilizers, there has been distortion in the fertilizer consumption ratio;

(b) if so, the measures taken to improve and or balance the fertilizer consumption ratio and the results thereof;

(c) the balanced/optimum fertilizer consumption ratio under Indian conditions, and the consumption ratio in 1990-91,1992-93 and at present; and

(d) in what manner the balanced fertilizer use is going to be ensured in the case of small and marginal farmers?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI CHATURANAN MISHRA): (a) Yes, Sir

(b) In order to improve this rat Government started implementing a non-p scheme of concession on the sale of decontroll phosphatic and potassic fertilisers w.e.f. Ra 1992-93. This step has rectified the distortio to some extent.